02-नवम्बर-2024 से 08-नवम्बर-2024

जिंसों का घूमता आइना-गेहूं

(02-नवम्बर-2024 से 08-नवम्बर-2024)

2024-25 सीजन के लिए 34.155 करोड़ टन खाद्यान्न के उत्पादन का लक्ष्य
यूक्रेनी बंदरगाह एवं जहाजों पर रूसी हमले का गेहूं बाजार पर कोई खास असर नहीं
प्रतिकूल मौसम के कारण रूस में अगले साल भी गेहूं का उत्पादन घटने की आशंका
नई कीमतों के साथ 23 अक्टूबर से आरंभ होगी भारत ब्रांड के उत्पादों की बिक्री
साइक्लोनिक सर्कुलेशन से तटवर्ती क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश होने की संभावना
समुद्री चक्रवाती तूफान 'दाना' से उड़ीसा एवं बंगाल को खतरा
दाना' तूफान से उड़ीसा एवं बंगाल के तटवर्ती क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश

साप्ताहिक समीक्षा-गेहूं

नई दिल्ली। प्रमुख उत्पादक राज्यों की मंडियों में सीमित मात्रा में गेहूं की आवक हो रही है जबकि मिलर्स-प्रोसेसर्स इसकी खरीद में नियमित रूप से अच्छी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। उत्तरी राज्यों से गेहूं का स्टॉक दक्षिण में कर्नाटक तथा पूर्वोत्तर में आसाम तक भेजा जा रहा है जिससे स्थानीय स्तर पर इसका आवक महसूस होने लगा है। केंद्र सरकार न तो अपने स्टॉक का गेहूं खुले बाजार में उतारने के मूड में है और न ही इस पर आयात शुल्क में कटौती करने के लिए तैयार है। इससे स्थिति और भी जटिल हो गयी है।

2 से 8 नवम्बर 2024 वाले सप्ताह के दौरान दिल्ली में यूपी/राजस्थान के गेहूं का भाव 10 रुपए सुधरकर 3150/3170 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंचा। इसी तरह इंदौर में यह 70 रुपए की वृद्धि के साथ 2800/3470 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सरकार का कहना है कि राष्ट्रीस स्तर पर थोक मंडियों में गेहूं का भारित औसत मूल्य 2811 रुपए प्रति क्विंटल तथा खुदरा बाजार भाव 3200 रुपए प्रति क्विंटल रहा। इसके दाम में लगातार तेजी-मजबूती का माहौल देखा जा रहा है। सरकारी (भारत ब्रांड) आटा का उच्चतम खुदरा मूल्य भी 275 रुपए प्रति 10 किलो से बढ़ाकर 300 रुपए प्रति 10 किलो निर्धारित किया गया है जिससे संकेत मिलता है कि सरकार इस वास्तविकता को स्वीकार कर रही हैं कि गेहूं के दाम में भारी वृद्धि हुई है।

समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान मध्य प्रदेश के भोपाल में गेहूं का दाम 100 रुपए बढ़कर 2800/3100 रुपए प्रति क्विंटल तथा इटारसी में 160 रुपए उछलकर 2850/3050 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंचा मगर खंडवा में 100 रुपए नरम पड़ गया। इसी तरह राजस्थान के बूंदी , उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर, सीतापुर, गोरखपुर, मैनपुरी एवं एटा में गेहूं के दाम में 30 से 60 रुपए प्रति क्विंटल तक की बढ़ोत्तरी दर्ज की गयी। रबी सीजन के सबसे प्रमुख खाद्यान्न गेहूं की बिजाई पहले ही आरम्भ हो चुकी हैं।

WHEAT (PRICE IN RS. /QTL- ARRIVAL IN QTL)						
MANDIES	**02-11-2024**	**04-11-2024**	**05-11-2024**	**06-11-2024**	**07-11-2024**	**08-11-2024**
DELHI	HOLIDAY	UP/RAJ-3150/3160	UP/RAJ-3180/3200	UP/RAJ-3170/3190	UP/RAJ-3175/3180	UP/RAJ-3150/3170
GONDAL	HOLIDAY	CLOSE	CLOSE	NA	NA	NA
RAJKOT	HOLIDAY	CLOSE	CLOSE	2800/3200	3000/3200	3000/3200
INDORE	HOLIDAY	2850/3400	2800/3440	2800/3480	2820/3390	2800/3470
DEVAS	HOLIDAY	2800/4000	2700/3700	2800/4000	2850/3700	2800/3600
UJJAIN	HOLIDAY	2800/3300	2800/3300	2800/3350	2800/3400	2825/3300
KOTA	HOLIDAY	2770/2950	2800/2950	2800/3132	2800/3000	2850/2955
SHAHJAHANPUR	HOLIDAY	2785	2800	2811/2825	2811	2821
HARDOI	HOLIDAY	2765/2770	2780	2790/2795	2750	CLOSE
GORAKHPUR	HOLIDAY	2800	2860	2860	2860	2860
GONDA	HOLIDAY	2890/2945	2870/2950	2910/2980	2880/2950	2850/2930
MAINPURI	HOLIDAY	NA	2780	2800	2831	2825

बाजार भविष्य

★ दिल्ली गेहूं 3200 रुपए पर आया; आखिर क्यों हो रही है OMSS स्कीम जारी करने में देरी। 05 नवम्बर को को उपभोक्ता मंत्रालय ने भारत चावल, आटा स्कीम के तहत बिक्री चालू की। सर्कुलर के अनुसार गेहूं 30 रुपए प्रति किलो व चावल 29 रुपए प्रति किलो पर नैफेड, NCCF व केंदीय भण्डार प्लेटफार्म पर दिया जायेगा। पहला फेज़ जो जून में ख़त्म हुआ था में आटा की MRP 27.5 व चावल की 29 रुपए प्रति किलो थी जिसे बढ़ाया गया। कल सरकार की ओर से इस स्कीम को हरी झंडी भी दिखाई गयी। परन्तु कल ही दिल्ली गेहूं ने 3200 रुपए के स्तर को छुआ। फेज़ 2 के लिए केंद्र ने 3.69 लाख टन गेहूं और 4.91 लाख टन चावल गोदामों से आवंटित किया। पहले फेज़ में अक्टूबर 2023 से जून 2024 तक 15.2 लाख टन आटा और 14.58 लाख टन चावल वितरित किया गया था। इसमें कोई दोराय नहीं कि सरकार जरुरतमंदों को आटा दिलाने के लिए कर रही है भरकस प्रयास परन्तु इन प्रयासों का क्या लाभ।

★ काफी कम मात्रा पूल में पड़े गेहूं का आवंटन किया जा रहा है जबकि मिलर्स को इससे कही बड़ी मात्र में गेहूं चाहिए। एक दूसरे पहलु पर भी ध्यान देना जरूरी, ठीक इस समय कई राज्यों में गेहूं बिजाई जोरों पर चल रही है ऐसे में नियमों में बदलाव किया गया तो इसका असर बिजाई पर पड़ सकता है। सरकार जरूर चाहेगी कि तेजी की चुभन को भविष्य में गेहूं उत्पादन बढ़ाकर दूर किया जाए। देखना होगा कि मौसम किस तरह से फसल का साथ देता है, फ़िलहाल मौसम फसल के बेहद अनुकूल, जमीन में नमी के मात्रा अच्छी। मौसम ने साथ दिया तो रिकॉर्ड उत्पादन भी पहुंच सकता है। भाव की बात करें तो हाल फ़िलहाल में कीमतों में गिरावट की सम्भावना बेहद कम।

★ खरीफ 2024-25 पहला उत्पादन अनुमान।

★ चालू सीजन में मौसम ने दिया फसलों का पूरा साथ। मोटे अनाज को छोड़ अन्य सभी फसलों की बिजाई में बढ़ोत्तरी।

★ अच्छा पानी पड़ने से किसानों ने मोटे अनाज (जिनमें कम पानी की जरुरत होती है) को प्राथमिकता नहीं दी।

★ धान, मक्का, दलहन (उड़द को छोड़) और सोया के उत्पादन अधिक होने का दिया अनुमान।

★ धान उत्पादन गत वर्ष से 65.75 लाख टन उछलकर 1200 लाख टन, मक्का का 23 लाख टन बढ़कर 245 लाख टन, ज्वार का 6.85 लाख टन सुधरकर 22 लाख टन का दिया अनुमान।

★ मोटे अनाज में बाजरा उत्पादन गत वर्ष से 2.88 लाख टन घटकर 93.75 लाख टन, रागी का 2.8 लाख टन गिरकर 14 लाख टन रहने के आकड़े दिए गये, कुल मोटे अनाज का भी इसी अनुपात में घटाया गया।

★ केंद्रीय पूल में धान/चावल का विशाल स्टॉक उपलब्ध, नया धान खीदने में हो रहे है परेशानी।

★ पंजाब के साथ-साथ अन्य राज्यों में भी खरीद गत वर्ष से पिछड़ रही है जिसका मुख्य कारण जगह की कमी माना जा रहा है तथा दूसरा कारण उत्पादन बढ़ना।

★ एक तरफ देश में स्टॉक की कमी है तो दूसरी और गेहूं में कीमतें लगातार मजबूत बनी हुई हैं।

★ दो दिन पहले गेहूं गिरा था परन्तु आज दिल्ली गेहू फिर बढ़ा।

★ अगर धान को लेकर ऐसे ही समस्या रही तो आई ग्रेन इंडिया का मानना है कि OMSS स्कीम जल्द लायी जा सकती है ताकि गेहूं बिक्री हो और गोदाम खली हो।

★ मार्किट को अभी चावल के मुकाबले गेहूं की सख्त जरूरत।

★ पहले से ही केंद्रीय पूल में गेहूं का स्टॉक कम है अगर ऐसे ही गोदाम भरे रहे तो जगह की कमी से गेहूं के भंडारण की कमी महसूस की जा सकती है।

सीमित स्टॉक एवं मजबूत मांग से गेहूं का भाव ऊंचा रहने की उम्मीद

नई दिल्ली। देश के प्रमुख उत्पादक राज्यों की महत्वपूर्ण मंडियों में सीमित आपूर्ति एवं मजबूत मांग के कारण गेहूं का भाव सरकारी समर्थन मूल्य से काफी ऊंचा चल रहा है और निकट भविष्य में इसमें ज्यादा नरमी आने की संभावना नहीं दिखाई पड़ती है। 2023-24 के सीजन हेतु गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2275 रुपए प्रति क्विंटल नियत किया गया जो 2022-23 सीजन के समर्थन मूल्य 2125 रुपए प्रति क्विंटल से 150 रुपए ज्यादा था। अब एक बार फिर 2024-25 सीजन के लिए इसका समर्थन मूल्य 150 रुपए बढ़ाकर 2425 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। त्यौहारी सीजन के कारण गेहूं की मांग काफी मजबूत देखी जा रही है। मिलर्स-प्रोसेसर्स को गेहूं की आपूर्ति के लिए थोक मंडियों पर निर्भर रहना पड़ता है क्योंकि सरकार ने खुले बाजार बिक्री योजना (ओएमएस) के तहत अपने स्टॉक से फिलहाल गेहूं की बिक्री शुरू नहीं करने का निर्णय लिया है। स्वयं केन्द्रीय पूल में गेहूं का नया तुला स्टॉक मौजूद है इसलिए सरकार उदार भाव से इसकी बिक्री करने में सक्षम नहीं है। कीमतों में तेजी का यह एक प्रमुख कारण माना जा रहा है क्योंकि सरकार बाजार हस्तक्षेप योजना चालू नहीं कर पाएगी। वैसे भी उसका मन्ना है कि गेहूं के दाम में अभी अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी नहीं हुई है और कुछेक मंडियों को अपवाद मानते हुए छोड़ दें तो अधिकांश मार्केट में इसका भाव 2600/2800 रुपए प्रति क्विंटल के बीच चल रहा है। स्वयं भारत ब्रांड सरकारी आटे का दाम 275 रुपए से बढ़ाकर 300 रुपए प्रति 10 किलो (30 रुपए किलो) नियत किया गया है। मंडियों में उपलब्धता कमजोर और मांग मजबूत है। गेहूं पर भंडारण सीमा (स्टॉक लिमिट) लागू है जबकि विदेशों से इसके आयात के लिए स्थिति अनुकूल नहीं हैं क्योंकि इस पर 40 प्रतिशत का भारी-भरकम सीमा शुल्क लागू है। जब तक सरकारी गेहूं मिलर्स-प्रोसेसर्स के लिए उपलब्ध नहीं होता है तब तक थोक मंडी भाव मजबूत बना रहेगा। इसमें 50-100 रुपए प्रति क्विंटल का उतार-चढ़ाव आना सामान्य घटना है मगर भारी गिरावट आने की आशंका नजर नहीं आ रही है। फिर भी व्यापारियों-स्टॉकिस्टों एवं उत्पादकों को अपना गेहूं बेचते रहना चाहिए।

अगले साल ऊंचा रह सकता है गेहूं का वैश्विक बाजार भाव

शिकागो। रूस-यूक्रेन में मौसम शुष्क रहने तथा यूरोपीय संघ के अनेक सदस्य देशों में अत्यन्त मूसलाधार वर्षा के कारण भयंकर बाढ़ आने से शीतकालीन गेहूं की बिजाई प्रभावित होने की आशंका है। अमरीका तथा अर्जेन्टीना के कुछ राज्यों में भी मौसम की हालत प्रतिकूल बताई जा रही है। अर्जेन्टीना में गेहूं की नई फसल की कटाई-तैयारी शीघ्र ही शुरू होने वाली है। हालांकि मौसम की हालत ऑस्ट्रेलिया में भी अनुकूल नहीं है मगर वहां गेहूं की फसल पर इसका कोई खास असर नहीं पड़ने की आशंका नहीं है और इसकी कटाई-तैयारी आरंभ हो गई है। दिसम्बर में ऑस्ट्रेलिया तथा अर्जेन्टीना दोनों देशों में गेहूं की जोरदार कटाई होने लगेगी। रूस दुनिया में गेहूं का सबसे प्रमुख निर्यातक तथा चीन और भारत के बाद तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। उसके प्रमुख उत्पादक इलाकों में लम्बे समय से अच्छी वर्षा नहीं हुई है इसलिए शीतकालीन गेहूं की खेती करने वाले किसान काफी चिंतित और परेशान हैं। हालांकि एक अग्रणी विश्लेषक फर्म ने रूस में गेहूं का कुल उत्पादन क्षेत्र गत वर्ष के लगभग बराबर ही रहने का अनुमान लगाया है जिसके तहत शीत कालीन फसल का रकबा घटने तथा वसंतकालीन फसल का क्षेत्रफल बढ़ने की संभावना व्यक्त की है लेकिन इसका कुल उत्पादन 815 लाख टन से घटकर 801 लाख टन रह जाने का अनुमान व्यक्त किया है। विश्लेषकों के अनुसार 2025-26 के मार्केटिंग सीजन में पिछला बकाया स्टॉक सीमित रहेगा जिससे गेहूं का निर्यात घटकर 400 लाख टन से नीचे आ सकता है। 2024-25 के वर्तमान मार्केटिंग सीजन में रूस से करीब 455-460 लाख टन गेहूं का निर्यात होने की उम्मीद है। रूस में गेहूं का मार्केटिंग सीजन जुलाई में आरंभ होकर जून तक बरकरार रहता है। रूस के पड़ोसी देश- यूक्रेन में भी गेहूं का उत्पादन 2024-25 सीजन के 218 लाख टन से घटकर 2025-26 के सीजन में 211 लाख टन पर सिमटने का अनुमान है जो पंच वर्षीय औसत उत्पादन 242 लाख टन से काफी कम है। इससे निर्यात में भी कमी आएगी।

दूसरे चरण में खुदरा बिक्री के लिए गेहूं तथा चावल का स्टॉक निर्धारित

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने भारत ब्रांड नाम के तहत खुदरा बिक्री के लिए गेहूं तथा चावल का आरंभिक स्टॉक नियत कर दिया है। दूसरे चरण की शुरुआत के लिए 3.69 लाख टन गेहूं तथा 2.91 लाख टन चावल का आवंटन किया गया है। इस गेहूं की मिलिंग से निर्मित आटे की बिक्री की जाएगी। केन्द्रीय खाद्य उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री द्वारा भारत ब्रांड के आटा एवं चावल की खुदरा बिक्री के लिए दूसरे चरण की लांचिंग की गई। खाद्य मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि यह प्रयास भारत सरकार के इस संकल्प की अभिपुष्टि है कि सरकार आम उपभोक्ताओं को रियायती मूल्य पर आवश्यक खाद्य उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत ब्रांड आटा और चावल की खुदरा बिक्री तीन केन्द्रीय एजेंसियों- एनसीसीएफ, नैफेड तथा केन्द्रीय भंडार द्वारा एक निश्चित मूल्य पर की जाती है। इसका पहला चरण समाप्त हो चुका है और अब दूसरा चरण आरंभ हो गया है। खाद्य मंत्री ने आज (5 नवम्बर को) नई दिल्ली में इन एजेंसियों के मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाई।

दूसरे चरण के तहत भारत ब्रांड आटा का उच्चतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) 30 रुपए प्रति किलो तथा चावल का एमआरपी 34 रुपए प्रति किलो निर्धारित किया गया है। खाद्य मंत्री के अनुसार भारत ब्रांड के आटा, चावल एवं दाल जैसे आवश्यक खाद्य उत्पादों की खुदरा बिक्री के जरिए केन्द्र सरकार सीधे हस्तक्षेप कर रही है जिससे इसके बाजार भाव को स्थिर रखने में काफी हद तक सहायता मिली है। प्रथम चरण के दौरान आम उपभोक्ताओं को रियायती मूल्य पर करीब 15.20 लाख टन भारत आटा तथा 14.58 लाख टन भारत चावल उपलब्ध करवाया गया। उस समय आटा का दाम 27.50 रुपए प्रति किलो तथा चावल का दाम 29 रुपए प्रति किलो नियत किया गया था। दूसरे चरण में इसकी बिक्री 5 किलो एवं 10 किलो के रिटेल पैक में की जाएगी।

बढ़े मूल्य के साथ भारत ब्रांड के साथ आटा एवं चावल की दोबारा बिक्री शुरू

नई दिल्ली। केन्द्रीय खाद्य, उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री ने 5 नवम्बर 2024 को भारत ब्रांड नाम के तहत आटा और चावल की बिक्री के दूसरे चरण का शुभारम्भ किया। तीन सहकारी एजेंसियों- नैफेड, एनसीसीएफ तथा केन्द्रीय भंडार द्वारा पूर्व निर्धारित मूल्य पर इस आटा एवं चावल की खुदरा बिक्री की जाएगी। पहले चरण की तुलना में दूसरे चरण के लिए इसका उच्चतम खुदरा मूल्य बढ़ा दिया गया है।
पहले चरण में गेहूं के आटे का खुदरा मूल्य 27.50 रुपए प्रति किलो निर्धारित किया गया था जिसे दूसरे चरण में बढाकर 30 रुपए प्रति किलो नियत किया गया है। इसी तरह भारत चावल का खुदरा मूल्य 29 रुपए प्रति किलो से बढ़ाकर 34 रुपए प्रति किलो निर्धारित किया गया है। इन उत्पादों की बिक्री 5 किलो एवं 10 किलो के पैक में की जाएगी। सहकारी एजेंसियों के साथ-साथ ई-कॉमर्स प्लेटफार्म के माध्यम से भी इसे उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवाया जाएगा। दूसरे चरण के कारण फिलहाल 3.69 लाख टन गेहूं एवं 2.91 लाख टन चावल का स्टॉक आवंटित किया गया है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के गोदामों से इसका स्टॉक आवंटित किया गया है। पहला चरण अक्टूबर 2023 से आरंभ हुआ था और जून 2024 में समाप्त हो गया। दूसरा चरण 5 नवम्बर से आरंभ हुआ है और कम से कम आवंटित स्टॉक की बिक्री होने तक बरकरार रहने की संभावना है। प्रथम चरण के दौरान 15.20 लाख टन आटा एवं 14.58 लाख टन चावल का वितरण हुआ था। दिलचस्प तथ्य यह है कि ऊंचे बाजार भाव के बावजूद पहले चरण के दौरान चावल की कम बिक्री हुई। खाद्य मंत्री के अनुसार सरकार का उद्देश्य व्यवसाय करना नहीं था बल्कि सिर्फ आम उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करना था और कीमतों में तेजी पर नियंत्रण रखना था। यदि आवश्यकता पड़ी तो आटा और चावल की बिक्री छोटे-छोटे पैकों में भी शुरू करने पर विचार किया जा सकता है। सरकारी आटा-चावल के खुदरा बिक्री मूल्य में की गई बढ़ोत्तरी से स्पष्ट संकेत मिलता है कि खुले बाजार में इसका भाव काफी ऊंचा चल रहा है।

क्रियाशील पूंजी के लिए भारतीय खाद्य निगम में इक्विटी के समावेश को मंजूरी

नई दिल्ली। आर्थिक मामलों की केन्द्रीय कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने वर्तमान वित्त वर्ष (2024-25) के लिए सरकारी एजेंसी- भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) में 10,700 करोड़ रुपए की इक्विटी के समावेश (इन्फ्यूजन) को स्वीकृति प्रदान कर दी है ताकि निगम की क्रियाशील पूंजी की जरूरतों को पूरा किया जा सके। इक्विटी में वेज एंड मीन्स एडवांस को रूपांतरित करते हुए इस इक्विटी का सामनेशन किया गया है। दरअसल तेज एंड मीन्स एडवांस (डब्ल्यू एम ए) सरकार द्वारा एफसीआई को दिया जाने वाला एक अस्थायी कर्ज है ताकि निगम को सरकारी प्राप्तियों एवं भुगतान के बीच अंतर को पाटने में सहायता मिल सके। खाद्य निगम को उसी वित्त वर्ष में 31 मार्च तक इस डब्ल्यू एमए का निश्चित रूप से पुनर्भुगतान करना होता है। इस कर्ज के लिए ब्याज दर वही रहती है जो सम्बद्ध वित्त वर्ष के लिए 364 दिवसीय ट्रेजरी बिल के लिए भारित औसत ब्याज की दर होती है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि अब भारत सरकार ने एफसीआई के लिए 10,700 करोड़ रुपए की इक्विटी की विशाल धनराशि की स्वीकृति प्रदान कर दी है जिससे खाद्य निगम की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी और उसके प्रयासों तथा क्रियाकलापों को सहारा मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय खाद्य निगम खाद्यान्न की खरीद तथा उसके भंडारण- वितरण के लिए सबसे प्रमुख सरकारी एजेंसी है और प्रत्येक वर्ष उसे धान (चावल) तथा गेहूं सहित अन्य अनाजों की खरीद पर विशाल धनराशि खर्च करनी पड़ती है।

राजस्थान में प्रमुख रबी फसलों का रकबा गत वर्ष से पीछे

जयपुर। सरसों तथा जौ के सबसे बड़े तथा चना एवं गेहूं के एक प्रमुख उत्पादक प्रान्त- राजस्थान में पिछले साल के मुकाबले चालू वर्ष के दौरान रबी फसलों की बिजाई धीमी गति से हो रही है। एक तो वहां खरीफ फसलों की कटाई-तैयारी जोर नहीं पकड़ पाई है और दूसरे कुछ मिलों में बारिश कम होने से मिटटी में नमी का अभाव देखा जा रहा है। वहां बांधों-जलाशयों में पानी का स्टॉक भी कम बनाया जा रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार रबी सीजन की सबसे प्रमुख तिलहन फसल सरसों का उत्पादन क्षेत्र इस वर्ष 31 अक्टूबर तक 18.75 लाख हेक्टेयर पर पहुंच सका जो पिछले साल की समान अवधि के बिजाई क्षेत्र 22 लाख हेक्टेयर से 3.25 लाख हेक्टेयर कम तथा पूरे सीजन के लिए नियत बिजाई लक्ष्य 40.50 लाख हेक्टेयर का 46 प्रतिशत है। पिछले साल राज्य में 40.01 लाख हेक्टेयर में सरसों की बिजाई का लक्ष्य रखा गया था। उल्लेखनीय है कि राजस्थान देश में सरसों का सबसे प्रमुख उत्पादक प्रान्त है जबकि इसके अन्य महत्वपूर्ण उत्पादक राज्यों में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, बंगाल और गुजरात शामिल है। इसके अलावा बिहार, झारखंड, आसाम, पंजाब एवं छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भी सरसों का उत्पादन होता है। राजस्थान में चालू रबी सीजन के लिए दलहनों की बिजाई का लक्ष्य 22.87 लाख हेक्टेयर नियत किया गया है जिसमें अकेले चना के क्षेत्रफल का लक्ष्य 22.50 लाख हेक्टेयर शामिल है। इसमें से 31 अक्टूबर 2024 तक 7.25 लाख हेक्टेयर में चना तथा 4 हजार हेक्टेयर में अन्य दलहनों की बिजाई हो चुकी थी। इस तरह कुल नियत लक्ष्य की तुलना में करीब एक-तिहाई क्षेत्रफल में चना (दलहन) की बिजाई पूरी हो गई थी। लेकिन गेहूं एवं जौ का रकबा नियत लक्ष्य से बहुत पीछे चल रहा है और इसकी बिजाई की गति भी काफी धीमी है। इसकी संयुक्त बिजाई का लक्ष्य 35.81 लाख हेक्टेयर निर्धारित हुआ है जबकि वास्तविक बिजाई महज 56 हजार हेक्टेयर या 1.6 प्रतिशत क्षेत्रफल में ही संभव हो सका। गेहूं की बिजाई का लक्ष्य 32 लाख हेक्टेयर है वास्तविक वास्तविक रकबा 46 हजार हेक्टेयर के करीब ही पहुंच सका है। पिछले साल कुल मिलाकर राज्य में 31.06 लाख हेक्टेयर में गेहूं की बोआई हुई थी।

igrain India Pvt.Ltd.
The Complete Agri Solution
2181-A, Ist Floor, Raja Park, Main Rani Bagh Road, DELHI-110034

+91 9350141815 • igrainind@gmail.com

igrain India Pvt.Ltd.
The Complete Agri Solution
2181-A, Ist Floor, Raja Park, Main Rani Bagh Road, DELHI-110034

Department of Consumer Affairs (Price Monitoring Division)
All India Daily Average Prices Of Cereals & Sugar

Daily Prices	Items	(Latest)	1 Month Ago	1 Year Ago	% Variation over	
		08/11/2024	08/10/2024	08/11/2023	1 Month	1 Year
All-India Retail Price (in □ /kg)	Rice	**43.9**	43.54	42.83	0.83	2.50
	Wheat	**31.98**	31.27	30.62	2.27	4.44
	Atta (Wheat)	**37.02**	36.23	36.04	2.18	2.72
	Sugar	**45.03**	44.85	44.56	0.40	1.05
All-India Consumer Wholesale Price (in □ /qtl)	Rice	**3924.81**	3895.91	3770.13	0.74	4.10
	Wheat	**2891.99**	2827.24	2726.7	2.29	6.06
	Atta (Wheat)	**3302.71**	3233.82	3160.79	2.13	4.49
	Sugar	**4180.53**	4170.69	4127.86	0.24	1.28

Prices in 4 Metros and Ranchi

Daily Retail Prices (□ /kg) in 4 Metros and Ranchi										
Cereals & Sugar	Delhi		Mumbai		Kolkata		Chennai		Ranchi	
	08/11/2024 (Latest)	08/11/2023 (1 Year Back)	08/11/2024 (Latest)	08/11/2023 (1 Year Back)	08/11/2024 (Latest)	08/11/2023 (1 Year Back)	08/11/2024 (Latest)	08/11/2023 (1 Year Back)	08/11/2024 (Latest)	08/11/2023 (1 Year Back)
Rice	**40**	39	**46**	40	**NR**	48	**58**	63	**43**	43
Wheat	**30**	30	**44**	48	**NR**	NR	**44**	46	**37**	36
Atta (Wheat)	**34**	33	**48**	52	**NR**	35	**44**	45	**38**	35
Sugar	**45**	45	**48**	47	**NR**	48	**44**	43	**45**	48